SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Inspector of Factories and Boilers (Rajasthan)

कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षक राज्य का वह अधिकारी है जो यह देखता है कि कारखानों में काम करने वाले मज़दूर सुरक्षित हैं या नहीं। काम कारखाना अधिनियम एवं बॉयलर अधिनियम के अंतर्गत आता है — कारखानों का निरीक्षण, मशीनों एवं बॉयलर की...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-factory-inspector

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षक राज्य का वह अधिकारी है जो यह देखता है कि कारखानों में काम करने वाले मज़दूर सुरक्षित हैं या नहीं। काम कारखाना अधिनियम एवं बॉयलर अधिनियम के अंतर्गत आता है — कारखानों का निरीक्षण, मशीनों एवं बॉयलर की सुरक्षा जाँच, दुर्घटना की जाँच, खतरनाक प्रक्रियाओं पर नियंत्रण, काम के घंटे एवं बाल-श्रम से जुड़े प्रावधानों का पालन कराना, तथा उल्लंघन पर अभियोजन। बॉयलर वह दाब-पात्र है जिसमें भाप बनती है; वह फट जाए तो पूरा संयंत्र और उसमें खड़े लोग एक साथ चले जाते हैं, इसलिए उसका प्रमाणन एवं आवधिक जाँच क़ानूनन अनिवार्य है और वह जाँच इसी अधिकारी के ज़िम्मे आती है। यह अभियांत्रिकी की डिग्री वाला पद है, पर काम केवल तकनीकी नहीं — यह क़ानून लागू कराने वाला पद भी है, और इसीलिए इसमें निरीक्षण के साथ-साथ लिखा-पढ़ी, रिपोर्ट एवं न्यायालय की कार्यवाही भी जुड़ी रहती है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	मैकेनिकल, प्रोडक्शन, पावर प्लांट अथवा मेटलर्जिकल अभियांत्रिकी में डिग्री + बॉयलर से जुड़ा 2 वर्ष का अनुभव (सेवा नियम 1958, अनुसूची-I)
भर्ती संस्था	राजस्थान लोक सेवा आयोग (आर.पी.एस.सी.), अजमेर — नियुक्ति प्राधिकारी: श्रम विभाग
आयु-सीमा	23 से 40 वर्ष, आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आने वाली 1 जनवरी को (सेवा नियम 1958) — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	पे मैट्रिक्स स्तर सेवा नियमों में नहीं दिया — विज्ञप्ति देखें
माँग	100% सीधी भर्ती — इस पद पर पदोन्नति से कोई नियुक्ति नहीं होती

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- मशीनों, बॉयलर एवं औद्योगिक प्रक्रियाओं में रुचि
- सुरक्षा एवं क़ानून के पालन से जुड़ा काम

- कार्यालय से अधिक कारखाने के धरातल पर रहना

क्षमताएँ

- तकनीकी दोष एवं जोखिम को देखकर पहचान लेना
- तथ्यों को क्रम से लिखना, क्योंकि रिपोर्ट आगे न्यायालय में जाती है
- दबाव में भी निष्पक्ष रहना — निरीक्षण में यह रोज़ की परीक्षा है

ज़रूरी कौशल

- बॉयलर एवं दाब-पात्रों की जाँच, प्रमाणन एवं आवधिक निरीक्षण
- औद्योगिक सुरक्षा, खतरनाक प्रक्रियाएँ एवं दुर्घटना जाँच
- निरीक्षण रिपोर्ट, नोटिस एवं अभियोजन की लिखा-पढ़ी
- कारखाना अधिनियम एवं बॉयलर अधिनियम के प्रावधान
- संयंत्र के अभिकल्प, निर्माण एवं अनुरक्षण की समझ
- कारखाना प्रबंधन एवं श्रमिकों दोनों से व्यवहार

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 विज्ञान (भौतिकी, रसायन, गणित) उत्तीर्ण करें।
2. मैकेनिकल, प्रोडक्शन, पावर प्लांट अथवा मेटलर्जिकल अभियांत्रिकी में डिग्री लें। ध्यान दें कि यह सूची बंद है — सिविल अथवा कंप्यूटर अभियांत्रिकी की डिग्री इस पद के लिए मान्य नहीं है, इसलिए यह निर्णय बी.टेक. की शाखा चुनते समय ही लेना होता है, बाद में नहीं।
3. बॉयलर से जुड़ा दो वर्ष का अनुभव अर्जित करें — अभिकल्प, निर्माण, स्थापन, संचालन, परीक्षण, मरम्मत, अनुरक्षण अथवा निरीक्षण में, या बॉयलर अधिनियम 1923 एवं उसके अधीन बने नियमों के क्रियान्वयन में। यह शर्त सेवा नियमों में लिखी है और इसे टाला नहीं जा सकता, इसलिए डिग्री के बाद सीधे परीक्षा की तैयारी में बैठने के बजाय संयंत्र, बिजलीघर, चीनी मिल, रिफ़ाइनरी अथवा बॉयलर निर्माता के यहाँ काम करना ही रास्ता है।
4. आयु 23 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। न्यूनतम आयु 23 है, अधिकांश राजस्थान पदों की तरह 18 या 21 नहीं — यह इसी दो वर्ष के अनुभव की शर्त के अनुरूप रखी गई है।
5. हिन्दी का देवनागरी लिपि में कार्यसाधक ज्ञान एवं राजस्थान की संस्कृति का ज्ञान भी नियमों में अनिवार्य शर्त है।
6. आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्ति आने पर आवेदन करें और आयोग की चयन प्रक्रिया में सम्मिलित हों।

प्रमुख परीक्षाएँ

- भर्ती राजस्थान लोक सेवा आयोग करता है और पद 100% सीधी भर्ती से भरा जाता है — अनुसूची-I में इस पद के आगे पदोन्नति का कोई प्रतिशत नहीं है। इसका सीधा अर्थ यह है कि विभाग के भीतर से कोई इस पद तक नहीं आता; प्रवेश केवल बाहर से, इसी परीक्षा से होता है।
- दो वर्ष का बॉयलर अनुभव पात्रता की शर्त है, वरीयता नहीं। इसका आशय यह है कि यह पद स्नातक होते ही नहीं मिलता — तैयारी की योजना दो वर्ष के कार्य-अनुभव सहित बनानी होगी।
- ध्यान दें — यह पद सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूचियों में नहीं है, इसलिए इसके लिए सी.ई.टी. उत्तीर्ण करना आवश्यक नहीं। यह आयोग का पद है, बोर्ड का नहीं।
- योग्यता की शर्त सेवा नियमों की अनुसूची-I के स्तंभ 4 में है और वही इस पृष्ठ पर दी गई है। यहाँ एक बात जानबूझकर दर्ज की जा रही है: इन्हीं नियमों में इस पद के लिए दो और योग्यताएँ छपी दिखती हैं — एक केवल मैकेनिकल अभियांत्रिकी की, दूसरी अभियांत्रिकी की किसी भी शाखा की। दोनों "Substituted for" (प्रतिस्थापित) वाले फुटनोट के भीतर हैं, अर्थात् वे पुराना, हट चुका पाठ हैं। नियमों को बिना फुटनोट पढ़े देखने पर सबसे पुरानी शर्त ही वर्तमान क़ानून जैसी दिखती है।
- नियमों में एक और वरीयता दर्ज है: अन्य बातें समान होने पर बॉयलर के प्रबंधन, मरम्मत अथवा निरीक्षण का अनुभव रखने वालों को वरीयता दी जा सकती है।
- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Government Engineering Colleges, Rajasthan — B.Tech in Mechanical, Production or Metallurgical Engineering — जयपुर, कोटा, अजमेर, बीकानेर, उदयपुर एवं अन्य (https://dte.rajasthan.gov.in/)
- MBM University, Jodhpur — one of the state's oldest government engineering institutions — जोधपुर, राजस्थान (https://mbm.ac.in/)
- Malaviya National Institute of Technology (MNIT) — जयपुर, राजस्थान (https://mnit.ac.in/)
- Government Polytechnic Colleges — diploma route into plant and maintenance work — राजस्थान के सभी संभाग (https://dte.rajasthan.gov.in/)

ऑनलाइन

- श्रम विभाग, राजस्थान — कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षणालय — यही वह विभाग है जिसमें यह पद आता है (https://labour.rajasthan.gov.in/)
- Directorate General FASLI, Government of India — industrial safety and health material — भारत सरकार, श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय (https://dgfasli.gov.in/)
- Central Boilers Board — the Boilers Act, regulations and boiler safety — भारत सरकार (https://dpiit.gov.in/central-boilers-board)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय से बी.टेक. का शुल्क निजी महाविद्यालयों की तुलना में बहुत कम है और प्रवेश राजस्थान की काउंसलिंग से होता है। इस पद की एक विशेष बात यह है कि दो वर्ष का अनिवार्य अनुभव अपने आप में वेतन देने वाला समय है — अर्थात् पात्रता पूरी करने की अवधि खाली तैयारी की अवधि नहीं, कमाई की अवधि है। परीक्षा शुल्क कुछ सौ रुपये है और आरक्षित वर्गों को छूट मिलती है। तैयारी की सामग्री का बड़ा हिस्सा — कारखाना अधिनियम, बॉयलर अधिनियम एवं उनके नियम — सरकारी वेबसाइटों पर निःशुल्क उपलब्ध है, और वही मूल पाठ है जिस पर यह काम टिका है।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

कारखाने, बिजलीघर, चीनी एवं सीमेंट संयंत्र, रासायनिक इकाइयाँ, रिफ़ाइनरी, वस्त्र एवं धातु इकाइयाँ, तथा वे सब स्थान जहाँ बॉयलर लगा हो — राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्रों में। कार्यालय ज़िला अथवा संभाग स्तर पर रहता है, पर काम का बड़ा भाग निरीक्षण के लिए बाहर होता है।

कार्य-संस्कृति

यह पद तकनीकी विशेषज्ञता और क़ानूनी अधिकार दोनों एक साथ रखता है, और इसी में इसका तनाव भी है। निरीक्षक जिस कारखाने में जाता है, वहाँ उत्पादन रोकने, नोटिस देने अथवा अभियोजन चलाने का अधिकार उसके पास होता है — और उसी कारण दबाव भी उसी पर आता है। काम में यात्रा रहती है, कभी दुर्घटना की सूचना पर तुरंत जाना पड़ता है, और रिपोर्ट का हर वाक्य आगे न्यायालय में पढ़ा जा सकता है, इसलिए लिखने में सावधानी आवश्यक है। दूसरी ओर यह उन थोड़े सरकारी पदों में है जहाँ अभियांत्रिकी की पढ़ाई का सीधा उपयोग होता है — डिग्री सजावट नहीं, रोज़ का औज़ार है। जो काम अच्छा हुआ उसका प्रमाण दिखता नहीं, क्योंकि वह वह दुर्घटना है जो हुई ही नहीं; यह बात इस पेशे को समझने के लिए ज़रूरी है।

कौन नौकरी देता है

- श्रम विभाग, राजस्थान — कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षणालय
- औद्योगिक स्वच्छता प्रयोगशाला एवं सुरक्षा संग्रहालय एवं प्रशिक्षण केंद्र (इन्हीं नियमों की अनुसूची-II के पद)
- राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों में ज़िला एवं संभाग स्तर के कार्यालय

माँग (2026)

राजस्थान में सीमेंट, वस्त्र, रसायन, धातु एवं ऊर्जा के बड़े औद्योगिक क्षेत्र हैं और हर उस इकाई में जहाँ बॉयलर लगा है, क़ानूनन आवधिक निरीक्षण अनिवार्य है — इसलिए इस पद की आवश्यकता उद्योग के साथ बनी रहती है। संवर्ग छोटा है, यह स्पष्ट रहना चाहिए: अनुसूची-I में इस सेवा के केवल चार स्तर हैं और भर्ती हर वर्ष नहीं निकलती। इसका व्यावहारिक अर्थ यह है कि विज्ञप्ति की प्रतीक्षा करते हुए दो वर्ष का अनिवार्य अनुभव उद्योग में पूरा करना ही सबसे उपयुक्त रणनीति है, क्योंकि वह अनुभव पात्रता की शर्त भी है और आय का साधन भी। यह भी ध्यान रखें कि पदों की संख्या विभाग की आवश्यकता बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षक — प्रवेश का पद, 100% सीधी भर्ती
2. वरिष्ठ कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षक — निरीक्षक के पद पर 5 वर्ष के अनुभव पर, 100% पदोन्नति से
3. उप मुख्य निरीक्षक — वरिष्ठ निरीक्षक के पद पर 4 वर्ष के अनुभव पर, 100% पदोन्नति से
4. मुख्य कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षक — उप मुख्य निरीक्षक के पद पर 3 वर्ष के अनुभव पर, संवर्ग का सर्वोच्च पद

कमाई

शुरुआत	विज्ञप्ति में घोषित पे मैट्रिक्स स्तर के अनुसार
मध्य स्तर	₹55,000 – ₹75,000 (भत्तों सहित, वरिष्ठ निरीक्षक स्तर पर)
वरिष्ठ स्तर	₹90,000 से अधिक (भत्तों सहित, उप मुख्य एवं मुख्य निरीक्षक स्तर पर)

1958 के सेवा नियमों में पे मैट्रिक्स का स्तर नहीं दिया गया, इसलिए आरंभिक वेतन इस पृष्ठ पर आँकड़े के रूप में नहीं लिखा गया — वह उसी चक्र की विज्ञप्ति में मिलेगा। यह अभियांत्रिकी डिग्री एवं दो वर्ष के अनुभव वाला राजपत्रित स्तर का पद है, इसलिए इसका वेतनमान उन पदों से ऊपर रहता है जिनमें केवल स्नातक की शर्त है। ऊपर दिए मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं हैं; उन्हें दिशा समझें, वचन नहीं। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। इस पद का पे मैट्रिक्स स्तर इस पृष्ठ पर आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं किया जा सका — न सेवा नियमों में, न सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूची में। इसलिए यहाँ कोई स्तर नहीं लिखा गया है। सही आँकड़ा उस भर्ती की आधिकारिक विज्ञप्ति में दिया जाता है; आवेदन से पहले उसे अवश्य देखें। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- अभियांत्रिकी की पढ़ाई का सीधा उपयोग — डिग्री रोज़ का औज़ार है
- 100% सीधी भर्ती, अर्थात् प्रवेश पर विभागीय पदोन्नति की प्रतिस्पर्धा नहीं
- स्पष्ट एवं छोटी पदोन्नति सीढ़ी — नियमों में चारों स्तर एवं उनकी अनुभव-शर्तें लिखी हैं
- अनिवार्य दो वर्ष का अनुभव उद्योग में वेतन के साथ पूरा होता है

चुनौतियाँ

- डिग्री की शाखा सीमित है — सिविल अथवा कंप्यूटर अभियांत्रिकी से यह पद नहीं मिलता, और यह निर्णय बी.टेक. चुनते समय ही हो जाता है
- दो वर्ष का अनुभव अनिवार्य है, इसलिए स्नातक होते ही यह पद उपलब्ध नहीं
- संवर्ग छोटा है और भर्ती हर वर्ष नहीं आती
- निरीक्षण एवं अभियोजन का पद होने के कारण दबाव आता है, और अच्छे काम का प्रमाण प्रायः अदृश्य रहता है

9 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- सहायक अग्निशमन अधिकारी व फायरमैन (राजस्थान)
- राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आर.ए.एस./आर.टी.एस.)
- पटवारी (राजस्व विभाग, राजस्थान)

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कार्मिक विभाग, राजस्थान — कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षक तथा कारखाना निरीक्षक (रासायनिक) सेवा नियम, 1958 — https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/modulCategory/20230526034023290590 3Factory_merged.pdf

2. राजस्थान लोक सेवा आयोग — विज्ञप्तियाँ — https://rpsc.rajasthan.gov.in/advertisements

3. श्रम विभाग, राजस्थान — https://labour.rajasthan.gov.in/

4. डी.जी. एफ.ए.एस.एल.आई., भारत सरकार — औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य — https://dgfasli.gov.in/

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in